प्रारंभिक परीक्षा

अस्त्र मिसाइल(ASTRA MISSILE)

संदर्भ:

भारत और इंडोनेशिया ने अस्त्र एमके 1 'बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल' (BVRAAM) की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है।

अस्त्र मिसाइल के बारे में

- **अस्त्र एक स्वदेशी रूप से विकसित बियॉन्ड-विजुअल-रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल (BVRAAM) है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिज़ाइन किया गया है।**
- इसे पायलट की दृश्य सीमा (visual range) से परे, लंबी दूरी पर दुश्मन के विमानों को रोकने और नष्ट करने के लिए विकसित किया गया है।
- **गति**: मैक 4.5 (Mach 4.5) तक।

प्रकार (Variants)

- **अस्त्र एमके-1 (Astra Mk-1)**
  - **रेंज:** 80-110 किमी
  - **परिचालन ऊंचाई:** 20 किमी तक
  - Su-30MKI के साथ एकीकृत और तेजस Mk-1A व राफेल (Rafale) लड़ाकू विमानों के लिए योजनाबद्ध।
- **अस्त्र एमके-2 (Astra Mk-2)**
  - **रेंज:** लगभग 200 किमी
  - बेहतर लंबी दूरी के प्रदर्शन के लिए दोहरे पल्स (dual-pulse) सॉलिड रॉकेट मोटर से लैस।
- **अस्त्र एमके-3 (गांडीव)**
  - **अपेक्षित रेंज:** 350 किमी से अधिक।
  - सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (SFDR) इंजन द्वारा संचालित।

पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट(PINAKA LONG RANGE GUIDED ROCKET)

संदर्भ:

डीआरडीओ (DRDO) ने ओडिशा के चांदीपुर में 60 किमी की उपयोगकर्ता-निर्दिष्ट (user-specified) न्यूनतम सीमा पर पिनाका एलआरजीआर-120 (Pinaka LRGR-120) का सफलतापूर्वक सत्यापन किया।

पिनाका LRGR-120 के बारे में

- **पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट एक स्वदेशी रूप से विकसित सटीक-निर्देशित (precision-guided) आर्टिलरी रॉकेट है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) के लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- **रेंज:** 60-120 किमी।
- **लॉन्च प्लेटफॉर्म:** मौजूदा इन-सर्विस पिनाका लॉन्चर से दागा जा सकता है, जिससे एक ही प्लेटफॉर्म से विभिन्न पिनाका वेरिएंट को लॉन्च किया जा सकता है।
- **मार्गदर्शन (Guidance):** उच्च-सटीक हमलों के लिए उपग्रह-सहायता प्राप्त मार्गदर्शन के साथ जड़त्वीय नेविगेशन प्रणाली (INS)।
- 60 किमी की न्यूनतम सीमा का सत्यापन परिचालन "डेड जोन" (dead zones) को समाप्त करता है, जिससे एक ही रॉकेट 60-120 किमी की सीमा में लक्ष्यों को भेद सकता है।

पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली (PATRIOT AIR DEFENCE SYSTEM)

संदर्भ:

नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन को लाइसेंस के तहत पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों के निर्माण की अनुमति देगा।

पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली के बारे में

- **एमआईएम-104 पैट्रियट (MIM-104 Patriot - Phased Array Tracking Radar for Intercept on Target) एक मोबाइल, लंबी दूरी की 'सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल' (SAM) प्रणाली है, जिसका उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना और कई सहयोगी देशों द्वारा एकीकृत वायु और मिसाइल रक्षा के लिए किया जाता है।**
- यह प्रणाली मुख्य रूप से आरटीएक्स कॉर्पोरेशन (पूर्व में रेथियॉन) द्वारा विकसित की गई है, जबकि पीएसी-3 (PAC-3) इंटरसेप्टर मिसाइल लॉकहीड मार्टिन (Lockheed Martin) द्वारा निर्मित है।
- **रडार:** लीगेसी पैट्रियट बैटरी एक सेक्टोरल चरणबद्ध-सरणी रडार (लगभग 120° कवरेज) का उपयोग करती है।
- **रेंज:** मिसाइल के प्रकार के अनुसार भिन्न होती है, विमानों के लिए 160 किमी तक और बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए 35 किमी तक।

इंटरसेप्टर प्रकार (Interceptor Variants)

- **PAC-2:** ब्लास्ट-विखंडन (blast-fragmentation) वारहेड का उपयोग करता है और मुख्य रूप से विमानों व क्रूज मिसाइलों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **PAC-3 / PAC-3 MSE:** हिट-टू-किल (hit-to-kill) तकनीक का उपयोग करता है, प्रत्यक्ष गतिज प्रभाव (kinetic impact) के माध्यम से सामरिक बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट करता है।

भारत में एलएनजी (LNG) रीगैसीफिकेशन क्षमता

संदर्भ:

इंटरनेशनल गैस यूनियन (IGU) 'वर्ल्ड एलएनजी रिपोर्ट' के अनुसार, भारत 2025 में स्पेन को पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा एलएनजी (LNG) रीगैसीफिकेशन बाजार बन गया है।

एलएनजी रीगैसीफिकेशन के बारे में

- तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) आसान भंडारण और परिवहन के लिए तरल रूप में परिवर्तित करने हेतु लगभग -162°C तक ठंडी की गई प्राकृतिक गैस है। 'रीगैसीफिकेशन' आयात टर्मिनलों पर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से आपूर्ति करने से पहले एलएनजी को वापस उसकी गैसीय अवस्था में परिवर्तित करने की प्रक्रिया है।
- दाहेज एलएनजी टर्मिनल (17.5 MTPA) भारत का सबसे बड़ा और वैश्विक स्तर पर छठा सबसे बड़ा रीगैसीफिकेशन टर्मिनल है।
- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के अनुसार, 2030 तक भारत की प्राकृतिक गैस की मांग लगभग 60% बढ़ने का अनुमान है।

यूरेशियन लिंक्स (EURASIAN LYNX)

संदर्भ:

सिक्किम में पहली बार यूरेशियन लिंक्स की तस्वीर खींची गई है।

यूरेशियन लिंक्स के बारे में

- यूरेशियन लिंक्स एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है और लिंक्स की सबसे बड़ी प्रजाति है।
- यह पश्चिमी यूरोप, रूस, मध्य एशिया और हिमालयी क्षेत्र में फैली हुई है।
- समशीतोष्ण, बोरियल (boreal) और मिश्रित जंगलों, अल्पाइन घास के मैदानों, चट्टानी इलाकों और तिब्बती पठार में निवास करती है।
- भारत में, यह मुख्य रूप से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाती है।
- **व्यवहार:** एकान्तप्रिय (solitary), मुख्य रूप से गोधूलि (crepuscular - भोर और शाम के समय सक्रिय) और निशाचर (nocturnal)।

संरक्षण की स्थिति

- **आईयूसीएन रेड लिस्ट (IUCN Red List):** कम चिंताजनक (Least Concern - LC)।
- **साइट्स (CITES) स्थिति:** परिशिष्ट II (Appendix II)।
- **डब्ल्यूपीए (WPA) स्थिति:** अनुसूची I (Schedule I)।

पीएम-सेतु (PM-SETU) योजना

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने अपग्रेडेड ITI के माध्यम से 'प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन' (PM-SETU) योजना के राष्ट्रव्यापी रोलआउट (rollout) को मंजूरी दे दी है।

पीएम-सेतु योजना के बारे में

- पीएम-सेतु (PM-SETU) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) द्वारा 2025 में शुरू की गई एक केंद्र प्रायोजित योजना है।
- **उद्देश्य:** औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) को उद्योग-उन्मुख कौशल विकास केंद्रों में आधुनिक बनाना जो युवाओं को उभरते रोजगार के अवसरों के लिए कौशल से लैस करते हैं।
- यह हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई (ITIs) को अपग्रेड करती है, जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं।
- क्लस्टर प्रबंधन और उद्योग भागीदारी के लिए विशेष प्रयोजन वाहनों (SPVs) की स्थापना।
- एशियाई विकास बैंक (ADB) और विश्व बैंक से सह-वित्तपोषण के साथ संस्थागत प्रदर्शन से जुड़ी वित्तीय सहायता।

नामित रिपॉजिटरी (DESIGNATED REPOSITORY)

संदर्भ:

मिजोरम विश्वविद्यालय के 'प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय' (NHM) को जैविक विविधता अधिनियम, 2002 के तहत भारत की 21वीं 'नामित रिपॉजिटरी' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

नामित रिपॉजिटरी के बारे में

- नामित रिपॉजिटरी जैविक संसाधनों को इकट्ठा करने, संरक्षित करने, बनाए रखने और प्रमाणित करने के लिए 'राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण' (NBA) की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित एक संस्थान है।
- यह जैविक विविधता अधिनियम, 2002 के तहत अनुसंधान, संरक्षण, और पहुंच तथा लाभ-साझाकरण (ABS) में उपयोग किए जाने वाले जैविक नमूनों के लिए एक आधिकारिक भंडार (repository) के रूप में कार्य करता है।

प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (NHM), मिजोरम विश्वविद्यालय

- 2022 में मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल में स्थापित।
- इंडो-बर्मा बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट के भीतर स्थित है, जो दुनिया के सबसे अमीर जैव विविधता क्षेत्रों में से एक है।

क्रेडिट-डिपॉजिट अंतर (CREDIT-DEPOSIT GAP)

संदर्भ:

हाल के महीनों में बैंक ऋण वृद्धि और जमा वृद्धि के बीच का अंतर चौड़ा हो गया है, जिससे बैंक ऋण और तरलता की स्थिरता पर चिंताएं पैदा हो गई हैं। बैंक ऋण वृद्धि के वित्तपोषण के लिए टर्म डिपॉजिट और जमा प्रमाणपत्रों (CDs) पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं।

क्रेडिट-डिपॉजिट अंतर के बारे में

- क्रेडिट-डिपॉजिट अंतर बैंक ऋण (क्रेडिट) की वृद्धि दर और बैंक जमा (डिपॉजिट) के बीच के अंतर को दर्शाता है।
- क्रेडिट-डिपॉजिट (CD) अनुपात एक बैंक के जमा के उस अनुपात को मापता है जिसे ऋण के रूप में तैनात (deployed) किया जाता है।
- एक उच्च CD अनुपात आक्रामक ऋण देने का संकेत देता है और यदि जमा वृद्धि कमजोर रहती है तो इससे तरलता तनाव (liquidity stress) हो सकता है।
- **जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposit - CD):** संस्थागत और कॉर्पोरेट निवेशकों से धन जुटाने के लिए बैंकों द्वारा जारी एक अल्पकालिक मुद्रा बाजार साधन (short-term money market instrument)।

वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस (VDPV)

संदर्भ:

गाजियाबाद में सीवेज (सीवर) के नमूने में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस (VDPV) का पता चला था, जिससे निगरानी और टीकाकरण अभियान तेज हो गए। यह पता लगाना भारत की पोलियो-मुक्त स्थिति को प्रभावित नहीं करता है, क्योंकि केवल 'जंगली पोलियोवायरस' (wild poliovirus) की उपस्थिति ही इसे बदल सकती है।

पोलियोवायरस के बारे में

- पोलियोमाइलाइटिस (पोलियो) पोलियोवायरस के कारण होने वाला एक अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग है, जो मुख्य रूप से पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है।
- यह मुख्य रूप से दूषित भोजन या पानी के माध्यम से मल-मुख मार्ग (faecal-oral route) से फैलता है।
- यह वायरस तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है, जिससे गंभीर मामलों में स्थायी पक्षाघात (paralysis) हो सकता है।
- पोलियो का कोई इलाज नहीं है; इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है।
- **वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस (VDPV):** एक दुर्लभ स्ट्रेन (strain) है जो ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV) में उपयोग किए जाने वाले कमजोर जीवित वायरस (weakened live virus) से उत्पन्न होता है।
- 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा भारत को पोलियो-मुक्त प्रमाणित किया गया था। भारत में जंगली पोलियोवायरस का आखिरी मामला 2011 में सामने आया था।

मुख्य परीक्षा

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी: भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों का एक स्तंभ

संदर्भ:

भारतीय प्रवासी पहली बार इंग्लैंड में जन्मे लोगों की आबादी को पीछे छोड़ते हुए ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा विदेशी मूल का समुदाय बन गया है, जो भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (Comprehensive Strategic Partnership) के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के लिए भारतीय प्रवासी महत्वपूर्ण क्यों हैं?

- **सामाजिक-सांस्कृतिक पूंजी और सार्वजनिक कूटनीति:** प्रवासी समुदाय साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुसंस्कृतिवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से आपसी समझ को बढ़ावा देता है, जिससे भारत की 'सॉफ्ट पावर' (soft power) मजबूत होती है।
    - उदाहरण के लिए: यह संबंध "3 Cs" (क्रिकेट, करी, राष्ट्रमंडल - Cricket, Curry, Commonwealth) से विकसित होकर "4 Ds"—लोकतंत्र (Democracy), रक्षा (Defence), प्रवासी (Diaspora) और दोस्ती (Dosti) तक पहुंच गया है, जिसे दिवाली और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जैसे त्योहारों का समर्थन प्राप्त है।
- **आर्थिक और प्रौद्योगिकी साझेदारी:** भारतीय प्रवासी कुशल प्रतिभा का योगदान देकर, निवेश को सुविधाजनक बनाकर और नवाचार-आधारित सहयोग का समर्थन करके आर्थिक एकीकरण को मजबूत करते हैं।
    - उदाहरण के लिए: भारतीय पेशेवर आईटी (IT), स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान, स्टार्ट-अप और 'भारत-ऑस्ट्रेलिया क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र और रणनीतिक विश्वास:** भारतीय मूल का बढ़ता समुदाय एक प्रभावशाली राजनीतिक निर्वाचन क्षेत्र (political constituency) के रूप में उभरा है, जो मजबूत भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों के लिए द्विदलीय (bipartisan) समर्थन को प्रोत्साहित करता है।
- **प्रतिभा गतिशीलता और ज्ञान साझेदारी:** शैक्षिक आदान-प्रदान और कुशल प्रवासन दीर्घकालिक संस्थागत संबंध बनाते हैं, जो मानव पूंजी और नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करते हैं।
    - उदाहरण के लिए: 'ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता' (ECTA) और 'प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी व्यवस्था' (MMPA) छात्रों और पेशेवरों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाते हैं।
- **रणनीतिक हिंद-प्रशांत साझेदारी:** प्रवासी समुदाय दीर्घकालिक संस्थागत, व्यावसायिक और सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देकर व्यापक रणनीतिक सहयोग को मजबूत करता है जो एक स्थिर हिंद-प्रशांत का समर्थन करते हैं।

भारतीय प्रवासियों और द्विपक्षीय संबंधों के सामने प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **अतिवाद (Extremism):** ऑस्ट्रेलिया के बाहर उत्पन्न होने वाले राजनीतिक और वैचारिक विभाजन प्रवासी समुदायों में फैल सकते हैं, जिससे कूटनीतिक संवेदनशीलताएं और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

- उदाहरण के लिए: खालिस्तानी उग्रवाद, मंदिरों में तोड़फोड़ और राजनीति से प्रेरित विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी घटनाओं ने समय-समय पर भारत-ऑस्ट्रेलिया कूटनीतिक जुड़ाव को प्रभावित किया है।

- **प्रवासन नीति की अनिश्चितता:** द्विपक्षीय संबंध काफी हद तक शिक्षा-आधारित प्रवासन पर निर्भर हैं, जिससे 'पीपल-टू-पीपल' संबंध ऑस्ट्रेलिया की विकसित होती आव्रजन और वीज़ा नीतियों के प्रति संवेदनशील (vulnerable) हो जाते हैं।
  - उदाहरण के लिए: सख्त 'जेनुइन स्टूडेंट' (GS) आकलन और उच्च वित्तीय आवश्यकताओं के माध्यम से 'नेट ओवरसीज माइग्रेशन' (NOM) को कम करने के ऑस्ट्रेलिया के प्रयासों ने भारतीय छात्रों की गतिशीलता को सीमित कर दिया है।

- **कौशल मान्यता और अल्प-रोजगार (Underemployment):** उच्च शैक्षिक योग्यता के बावजूद, कई भारतीय पेशेवरों को योग्यताओं की मान्यता में देरी का सामना करना पड़ता है, जिससे अल्प-रोजगार की स्थिति पैदा होती है और कुशल मानव पूंजी का अकुशल उपयोग होता है।
  - उदाहरण के लिए: ऑस्ट्रेलिया की "एक्टिवेट ऑस्ट्रेलियाज़ स्किल्स" (Activate Australia's Skills) रिपोर्ट का अनुमान है कि 253,000 से अधिक कुशल प्रवासी अल्प-रोजगार का शिकार हैं, जिनमें लगभग 50,000 इंजीनियर और 16,000 नर्सें शामिल हैं।

- **सामाजिक-राजनीतिक घर्षण और सामाजिक सामंजस्य:** आवास की कमी, बढ़ती जीवन-यापन लागत और बुनियादी ढांचे के दबाव ने आव्रजन-विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दिया है, जो कभी-कभी भारतीय समुदाय की सुरक्षा और एकीकरण को प्रभावित करता है।
  - उदाहरण के लिए: "मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया" जैसे राष्ट्रवादी अभियानों और बढ़ती आव्रजन-विरोधी बयानबाजी ने तेजी से भारतीय समुदाय को निशाना बनाया है, साथ ही नस्लीय भेदभाव और घृणा अपराधों की आवधिक घटनाएं भी हुई हैं।

- **प्रवासी शासन में संस्थागत कमियां:** प्रवासी जुड़ाव के लिए एक समान दृष्टिकोण विभिन्न प्रवासी समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं और क्षमताओं की अनदेखी करता है, जिससे द्विपक्षीय नीतियों और साझेदारियों की प्रभावशीलता कम हो जाती है।
  - उदाहरण के लिए: लोवी इंस्टीट्यूट (Lowy Institute) की 'बियॉन्ड द मॉडल माइनॉरिटी' रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि 'मैत्री अनुदान' (Maitri Grants) जैसी पहलें मुख्य रूप से स्थापित पेशेवरों और व्यवसायों को लाभान्वित करती हैं, जबकि अस्थायी भारतीय छात्रों को अभी भी वेतन की चोरी (wage theft), आवास असुरक्षा और कार्यस्थल पर शोषण जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो एक विभेदित प्रवासी जुड़ाव (differentiated diaspora engagement) की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया प्रवासी-नेतृत्व वाली साझेदारी को कैसे मजबूत कर सकते हैं?

- **सांस्कृतिक सामंजस्य और सामुदायिक एकीकरण को बढ़ावा देना:** बहुसांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाली, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने वाली और भारतीय प्रवासियों के सामाजिक एकीकरण में सुधार करने वाली जमीनी स्तर की पहलों को मजबूत करना।
  - उदाहरण के लिए: मैत्री अनुदान और स्थानीय सरकारी साझेदारी के माध्यम से समर्थित सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों, बहुसांस्कृतिक त्योहारों और नस्लवाद-विरोधी पहलों का विस्तार करना।
- **प्रवासी कूटनीति को संस्थागत बनाना:** द्विपक्षीय नीति-निर्माण, व्यवसाय, शिक्षा और रणनीतिक संवाद में प्रवासी विशेषज्ञता को एकीकृत करने के लिए संरचित तंत्र बनाना।
  - उदाहरण के लिए: 'ट्रैक 1.5' (Track 1.5) संवादों को मजबूत करना, और नीतिगत जुड़ाव के लिए लोवी इंस्टीट्यूट में 'इंडिया चेयर' जैसे प्लेटफार्मों का लाभ उठाना।
- **प्रतिभा गतिशीलता और कौशल मान्यता को मजबूत करना:** योग्यताओं की मान्यता को सामंजस्यपूर्ण बनाकर और गतिशीलता के मार्गों का विस्तार करके छात्रों तथा पेशेवरों की निर्बाध आवाजाही को सुविधाजनक बनाना।
  - उदाहरण के लिए: 'शैक्षिक योग्यता मान्यता पर टास्कफोर्स' का संचालन करना, MATES (मोबिलिटी अरेंजमेंट फॉर टैलेंटेड अर्ली-प्रोफेशनल्स स्कीम) का विस्तार करना, और प्रतिभा की बर्बादी (brain waste) को कम करने के लिए पेशेवर साख (professional credentials) की पारस्परिक मान्यता में तेजी लाना।
- **आर्थिक और प्रौद्योगिकी साझेदारी के लिए प्रवासियों का लाभ उठाना:** प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश, नवाचार और प्रौद्योगिकी सहयोग को गहरा करने के लिए प्रवासी नेटवर्क को संगठित करना।
  - उदाहरण के लिए: 'व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते' (CECA) के लिए बातचीत में तेजी लाते हुए, महत्वपूर्ण खनिजों, स्वच्छ ऊर्जा, एआई (AI), फिनटेक और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में स्टार्ट-अप साझेदारी को मजबूत करना।
- **रणनीतिक और हिंद-प्रशांत सहयोग को गहरा करना:** प्रवासियों को एक ऐसे 'मानवीय संतुलन-भार' (human ballast) के रूप में मान्यता देना जो दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग के लिए राजनीतिक विश्वास और सामाजिक समर्थन को मजबूत करता है।
  - उदाहरण के लिए: क्वाड (Quad) के तहत सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए मजबूत 'पीपल-टू-पीपल' संबंधों का लाभ उठाना।